**अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग**

**टंगाल, काठमाडौं**

मिति: २०८०।०६।१५ गते ।

**प्रेस विज्ञप्ति**

 **विषय:** सम्माननीय राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलज्यू समक्ष अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको तेत्तिसौं बार्षिक प्रतिवेदन (आर्थिक वर्ष २०७९/८०) पेश गरेको सम्बन्धमा।

* + सम्माननीय राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलज्यू समक्ष अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगका माननीय प्रमुख आयुक्त प्रेम कुमार राईले आज मिति २०८० साल असोज १५ गते नेपालको संविधानको धारा २९४ बमोजिम आयोगको तेत्तिसौं बार्षिक प्रतिवेदन (आर्थिक वर्ष २०७९/८०) राष्ट्रपतिको कार्यालय, महाराजगञ्जमा आयोजित विशेष समारोहकाबीच पेश गर्नुभयो।
	+ सम्माननीय राष्ट्रपतिज्यूले आयोगको तेत्तिसौं बार्षिक प्रतिवेदन ग्रहण गर्नुहुँदै मुलुकमा विद्यमान ढिलासुस्ती, विकृति र विसंगति हटाएर सुशासन कायम गर्न भ्रष्टाचाररहित समाज निर्माण गर्न आफ्नो स्रोत साधनको अधिकतम उपयोग गरी अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगले काम गर्ने नै छ भन्ने मैले विश्वास लिएको छु भन्नु भयो। विद्यमान वेथितिहरुलाई अन्त्य गर्दै नागरिकलाई छिटो छरितो सेवा उपलब्ध गराउनका लागि यस संस्थाले आधुनिक प्रविधि र संयन्त्रको प्रयोग गरी आफूलाई थप क्रियाशील र समयानुकुल परिवर्तन र परिमार्जन गर्दै लानुपर्ने आवश्यक रहेको वताउनु भयो। जनताको चाहना विकास, सुशासन र दिगो शान्ति सहित समृद्ध नेपाल निर्माण भएकोले यसका लागि अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोग जस्ता संवैधानिक निकायले संविधानले दिएको क्षेत्राधिकारमा रहेर जनचाहना अनुरुप अझै सशक्त ढंगले काम गर्नु पर्ने वताउनु भयो।जनतामा देखा परेको बेचैनी र निराशामा आशा जगाउने काम गर्नु अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको उल्लेख गर्नु भयो।
	+ आयोगको तेत्तिसौं बार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्नुहुँदै माननीय प्रमुख आयुक्त प्रेम कुमार राईले आर्थिक बर्ष २०७९/८० मा आयोगले सम्पादन गरेका प्रमुख काम कारबाहीहरुको संक्षिप्त विवरण सारांशको रुपमा प्रस्तुत गर्दै नेपालको संविधानले व्यवस्था गरे बमोजिम अख्तियार दुरुपयोग अनुसन्धान आयोगले **सार्वजनिक पद धारण गरेको व्यक्तिले “भ्रष्टाचार” गरी अख्तियारको दुरुपयोग गरेको सम्बन्धमा अनुसन्धान गर्न तथा अनुसन्धानबाट भ्रष्टाचार मानिने कुनै काम गरेको देखिएमा त्यस्तो व्यक्ति र सो अपराधमा संलग्न अन्य व्यक्तिउपर कानुनबमोजिम अधिकार प्राप्त अदालतमा मुद्दा दायर गर्ने** कार्य गर्दै आइरहेको वताउनु भयो।
	+ आयोगले आफ्नो कार्यालय टंगाल, काठमाडौं एवं आयोग मातहतका कार्यालयहरू इटहरी, बर्दिबास, हेटौंडा, पोखरा, बुटवल, सुर्खेत र कन्चनपुरमा तथा बुटवलको सम्पर्क कार्यालय नेपालगञ्जबाट कार्यसम्पादन गर्दै आइरहेको र हाल आयोगमा कुल 990 कर्मचारीको दरबन्दी रहेको उल्लेख गर्दै आयोगबाट ३३ वटा जिल्लाका प्रमुख जिल्ला अधिकारीहरूलाई अनुसन्धानसम्बन्धी अधिकार समेत प्रत्यायोजन गरिएको कुरा बताउनुभयो।
	+ आयोगले यस अवधिमा भ्रष्टाचारसम्बन्धी उजुरीको प्रारम्भिक छानबिन एवं विस्तृत अनुसन्धान गर्ने, भ्रष्टाचार देखिएका उजुरीउपर सम्मानित विशेष अदालतमा आरोप-पत्र दायर गर्ने तथा सम्मानित विशेष अदालतबाट भएको फैसला उपर चित्त नबुझेमा सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदन गर्ने कार्य सम्पादन भएको उल्लेख गर्दै उजुरीहरूको अनुसन्धानको क्रममा आवश्यकता अनुसार सम्बन्धित निकायमा सुझाव लेखी पठाउने, मुल्तबीमा राख्‍ने र तथ्य प्रमाण नपुगेका उजुरी तामेलीमा राख्‍ने काम भएको र भ्रष्टाचार नियन्त्रण र सदाचार संस्कृति प्रवर्द्धनका लागि विभिन्न निरोधात्मक, प्रवर्द्धनात्मक र संस्थागत सुदृढीकरणका कार्यहरू समेत यसै अवधिमा सम्पन्न भएको वताउनु भयो।
	+ आयोगलाई प्राप्त संवैधानिक जिम्मेवारीका साथै भ्रष्टाचार नियन्त्रण गरी सुशासन प्रवर्द्धन गर्न र राज्यको नीति निर्भिकता, निष्पक्षता र तटस्थताका साथ कार्यान्वयन गर्न आयोग प्रतिवद्ध रहेको उल्लेख गर्नु भयो।
	+ मुलुकमा सुशासनको लागि भ्रष्टाचार नियन्त्रण गर्ने कार्यमा सरकारका तीनै तह, अंग एवं निकायहरू, गैरसरकारी र निजी क्षेत्र, सञ्चारकर्मी, नागरिक समाज, अन्तर्राष्ट्रिय समुदाय एवं आम नागरिकबाट प्राप्त साथ, सहयोग र ऐक्यवद्धताका लागि आयोग परिवारको तर्फबाट धन्यबाद दिँदै आगामी दिनमा समेत सबैको सहयोग र सहकार्यको निरन्तरताको आयोगले अपेक्षा गरेको छ भन्नु भयो।
	+ आगामी दिनमा आयोगलाई अझ बढी सक्रिय, सक्षम र कर्तव्यनिष्ठताका साथ अगाडि बढ्न मार्ग निर्देशन र सुझावको समेत अपेक्षा गर्दै आयोगको वार्षिक प्रतिवेदन पेस गर्ने कार्यक्रमका लागि समय उपलब्ध गराई दिनु भएकोमा सम्माननीय राष्ट्रपतिज्यूसमक्ष हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन गर्नु भयो।
	+ आयोगको तेत्तिसौं बार्षिक प्रतिवेदन पेश गर्ने समारोहमा आयोगका आयुक्तहरु माननीय किशोर कुमार सिलवाल, माननीय जय बहादुर चन्द, माननीय डा. हरि पौडेल, माननीय डा. सुमित्रा श्रेष्ठ अमात्य, आयोगका सचिव, महाशाखा प्रमुख र कर्मचारीहरुका साथै राष्ट्रपतिको कार्यालयका सचिव तथा कर्मचारीहरुको समेत उपस्थिति रहेको थियो ।

**प्रतिवेदनमा उल्लिखित मूल बिषयहरु देहायबमोजिम रहेका छन्:**

1. आर्थिक वर्ष २0७9/८० मा आयोगमा विभिन्न माध्यमबाट कूल २०,९०५ उजुरीहरूप्राप्त भएका थिए।साथै, अघिल्लो आर्थिक वर्षबाट जिम्मेवारी सरेर आएका ७,१६२ उजुरीहरू सहित कारबाही गर्नुपर्ने उजुरीहरू २८,०६७ वटा रहेका थिए।
2. प्राप्त उजुरीमध्ये सबैभन्दा बढी संङ्‍घीय मामिला (स्थानीय तह समेत) सँग सम्बन्धित 3५.९५ प्रतिशत रहेका छन्। त्यसपश्चात, क्रमश: शिक्षा (स्थानीय तहसमेत)१४.५५ प्रतिशत, भूमि प्रशासन ६.09 प्रतिशत, वन तथा वातावरण 4.१४ प्रतिशत, स्वास्थ्य तथा जनसंख्या 3.१२ प्रतिशत, भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात ४.१० प्रतिशत, गृह प्रशासन 3.५८ प्रतिशत, पर्यटन, उद्योग तथा वाणिज्य २.७१ प्रतिशत, ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिंचाइ २.५८ प्रतिशत, खानेपानी तथा शहरी विकास 2.५१ प्रतिशत, अर्थ 1.८9 प्रतिशत, कृषि तथा पशुपन्‍क्षी 1.५२ प्रतिशत र संचार तथा सूचना प्रविधिसँग सम्बन्धित १.०३ प्रतिशत उजुरी रहेका छन्। त्यसैगरी, नक्कली शैक्षिक प्रमाण-पत्र ६.०२ प्रतिशत, गैरकानुनी सम्पत्ति आर्जन ७.१२ प्रतिशत र अन्य निकाय/क्षेत्रसँग सम्बन्धित उजुरीहरू 3.09 प्रतिशत रहेका छन्।
3. यस अवधिका उजुरीमध्ये 1८,७९9 वटा उजुरी अर्थात् ६६.९८ प्रतिशत स्क्रिनिङ र प्रारम्भिक छानबिनबाट फर्छ्यौट भएका छन्। जसमध्ये ११३3 वटा उजुरीउपर विस्तृत अनुसन्धान गरिएको, ७,८६९ उजुरी तामेली गरिएको, १५२ उजुरीउपर सुझाव दिई तामेली गरिएको र ९,६४५ उजुरीउपर कानुनबमोजिम अन्य आवश्यक कारबाहीको लागि लेखी पठाइएको छ। प्रारम्भिक छानबिनको क्रममा रहेका ९,२६८ उजुरी आर्थिक वर्ष 20८०/८१ मा जिम्मेवारी सरेर आएका छन्।
4. आर्थिक वर्ष 207९/८० मा विस्तृत अनुसन्धान भई आयोगमा निर्णयका लागि पेश भएका कूल ८७८ उजुरीहरू उपर आयोगबाट ९३७ वटा निर्णय भएकोमा १६२ वटा आरोपपत्र दायर गरिएको, 6५६ वटा उजुरी तामेलीमा राखिएको, ६३ वटा सम्बद्ध निकायहरूलाई सुझाव दिइएको, २७ वटा मुल्तबीमा राखिएको र २९ वटा अन्य निर्णय भएको छ।
5. विशेष अदालतमा दर्ता भएका १६२ वटा आरोपपत्रमध्ये गैरकानुनी लाभ हानिसँग सम्बन्धित ६4 वटा, घुस/रिसवतसँग सम्बन्धित 32 वटा, सार्वजनिक सम्पत्तिको हानि नोक्सानीसँग सम्बन्धित २७ वटा, गैरकानुनी सम्पत्ति आर्जनसम्बन्धी १३ वटा, शैक्षिक योग्यताको नक्कली प्रमाणपत्रसम्बन्धी ८ वटा, राजस्व चुहावटसम्बन्धी ७ वटा र विविध विषयका ११ वटा रहेका छन् । उल्लिखित आरोपपत्रहरूबाट कुल ७६6 जनालाई प्रतिवादी बनाई रु. १,७७,५८,४६,४३७ (एक अर्ब, सतहत्तर करोड, अन्ठाउन्न लाख, छयालिस हजार, चार सय सैंतीस) बिगो मागदाबी लिइएको छ।
6. आर्थिक वर्ष 207९/८० मा आयोगका 7८ वटा बैठक मार्फत कुल १२४६ वटा निर्णय गरिएकोछ।

आर्थिक वर्ष ०७९/८० मा दायर भएका मुद्दा संख्या, प्रतिवादी र बिगोसम्बन्धी विवरण

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **विषय** | **मुद्दा (संख्या)** | **प्रतिवादी (संख्या)** | **कुल बिगो मागदाबी (रु.)** |
| **पुरुष** | **महिला** | **संस्था** | **जम्मा** |
| १ | घुस (रिसवत) | ३२ | 41 | 5 | 0 | 46 | 5563860 |
| २ | झुटा/नक्कली शैक्षिक प्रमाणपत्र | ८ | 6 | 2 | 0 | 8 | 0 |
| ३ | सार्वजनिक सम्पत्ति हानी नोक्सानी | २७ | 114 | 37 | 1 | 152 | 483228109.43 |
| ४ | गैरकानुनी लाभ वा हानी | ६४ | 363 | 76 | 3 | 442 | 896966042.95 |
| ५ | गैरकानुनी सम्पत्ति आर्जन | १३ | 17 | 13 | 0 | 30 | 229245950.48 |
| ६ | राजश्व चुहावट/हिनामिना | ७ | 44 | 3 | 2 | 49 | 130212671.31 |
| ७ | विविध | 11 | 37 | 2 | 0 | 39 | 0 |
| **जम्मा** | **१६२** | **६२२** | **१३८** | **६** | **७६६** | **1745216634.17** |

आर्थिक वर्ष ०७९/८० मा दायर भएका विभिन्न विषयका मुद्दाअन्तर्गत प्रतिवादीको पद/श्रेणीगत संख्या

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **क्र.सं.** | **विषय** | **मुद्दा संख्या** | **प्रतिवादीको पदगत विवरण** |
| **विशिष्‍ट कर्मचारी** | **अधिकृतस्तर कर्मचारी** | **सहायक/सहयोगी कर्मचारी** | **निर्वाचित/मनोनित** | **मतियार/बिचौलिया/अन्य** | **जम्मा** |
| **स.स.** | **उ.स.** | **शा.अ.** | **जम्मा** | **ना.सु.** | **खरिदार** | **स.क.** | **जम्मा** |  |  |  |
| 1 | घुस (रिसवत) | 32 |  |  | 1 | 13 | 14 | 9 | 4 | 2 | 15 | 5 | 12 | **46** |
| 2 | झुटा/नक्कली शैक्षिक प्रमाणपत्र | 8 |  |  | 1 | 1 | 2 | 4 | 2 |  | 6 |  |  | **8** |
| 3 | सार्वजनिक सम्पत्ति हानी नोक्सानी | 27 |  | 5 | 12 | 17 | 34 | 15 | 7 | 1 | 23 | 19 | 76 | **152** |
| 4 | गैरकानुनी लाभ वा हानी | 64 |  | 2 | 30 | 91 | 123 | 65 | 13 | 1 | 79 | 178 | 62 | **442** |
| 5 | गैरकानुनी सम्पत्ति आर्जन | 13 |  | 1 | 2 | 6 | 9 | 2 |  |  | 2 | 2 | 17 | **30** |
| 6 | राजश्व चुहावट/हिनामिना | 7 |  |  | 6 | 10 | 16 | 7 |  |  | 7 | 5 | 21 | **49** |
| 7 | विविध | 11 | 1 | 2 | 6 | 8 | 16 | 8 | 4 |  | 12 |  | 10 | **39** |
| **कूल जम्मा** | **162** | **1** | **10** | **58** | **146** | **214** | **110** | **30** | **4** | **144** | **209** | **198** | **766** |

**आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा मुद्दा दायर गरिएका मुद्दाहरूको मन्त्रालयगत विवरण**

| **क्र.सं.** | **मन्त्रालय/निकाय** | **मुद्दा दायर संख्या** |
| --- | --- | --- |
| 1 | स्थानीय तह (सङ्घीय मामिला) | 66 |
| 2 | भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिवी निबारण मन्त्रालय | 16 |
| 3 | स्थानीय तह (शिक्षा) | 11 |
| 4 | प्रदेश भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय (भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय मात्र) | 7 |
| 5 | संङ्घीय मामला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय | 5 |
| 6 | गृह मन्त्रालय | 5 |
| 7 | प्रदेश भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय (कृषि तथा पशुपन्छी विकास मात्र) | 5 |
| 8 | स्वास्थ्य तथा जनसङ्ख्या मन्त्रालय | 4 |
| 9 | शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि मन्त्रालय | 4 |
| 10 | कृषि तथा पशुपंक्षी विकास मन्त्रालय | 4 |
| 11 | अर्थ मन्त्रालय | 3 |
| 12 | ऊर्जा, जलश्रोत तथा सिंचाइ मन्त्रालय | 3 |
| 13 | प्रदेश उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन वातावरण मात्र) | 3 |
| 14 | खानेपानी मन्त्रालय | 3 |
| 15 | प्रदेश भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय (सिँचाइ मात्र) | 3 |
| 16 | भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालय | 2 |
| 17 | उद्योग, वाणिज्य तथा आपूर्ति मन्त्रालय | 2 |
| 18 | संस्कृति पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मन्त्रालय | 2 |
| 19 | सञ्चार तथा सूचना प्रविधि मन्त्रालय | 2 |
| 20 | मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्को कार्यालय | 2 |
| 21 | वन तथा वातावरण मन्त्रालय | 1 |
| 22 | प्रदेश उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय (वन वातावरण मात्र) | 1 |
| 23 | प्रदेश भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय (कृषि तथा पशुपंक्षी विकास बाहेक ) | 1 |
| 24 | युवा तथा खेलकुद मन्त्रालय | 1 |
| 25 | श्रम, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालय | 1 |
| 26 | कानुन न्याय तथा संसदीय मामिला मन्त्रालय | 1 |
| 27 | प्रदेश भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालय (कृषि तथा पशुपंक्षी विकास मात्र) | 1 |
| 28 | प्रधानमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद्को कार्यालय | 1 |
| 29 | अन्य (संघ) | 2 |
| **कुल जम्मा** | **162** |

1. आयोगबाट विगत वर्षहरूमा विशेष अदालतमा दायर भएका आरोपपत्रहरूमध्ये आर्थिक वर्ष २०७९/८० मा ३४1 वटा मुद्दाहरूको फैसला प्राप्त भएको छ। जसमध्ये ११४ वटा अर्थात् 3३.४३% फैसलाहरूमा भ्रष्टाचारजन्य कसुर कायम भएको छ । सर्वोच्च अदालतको फैसलाबमोजिम रङ्गेहात कारवाहिमा आयोगले प्रमाणको लागि उपलब्ध गराएको रकममार्फत भएका कारवाहीसम्बन्धी मुद्दाहरू खारेज गरेको कारण कसुर कायम हुने अनुपातमा कमी आएको देखिएको छ।
2. विशेष अदालतबाट भएका फैसलाहरूमध्ये आर्थिक वर्ष 20७९/८० मा २३7 वटा फैसलाउपर सर्वोच्च अदालतमा पुनरावेदन गरिएको छ।
3. आयोगमा परेका उजुरीहरू र अनुसन्धान पश्चात आयोगले दायर गरेका आरोपपत्रबाट घुस/रिसवत लिने दिने, सार्वजनिक सम्पत्तिको हिनामिना, हानि नोक्सानी वा दुरुपयोग गर्ने, गैरकानुनीरूपमा सरकारी/सार्वजनिक जग्गा व्यक्ति विशेषको नाममा दर्ता गर्ने, सार्वजनिक खरिद तथा निर्माणका काममा बदनियत राखि व्यक्तिगत लाभ लिने तथा नेपाल सरकारलाई हानि पुर्‍याउने, गैरकानूनीरूपमा सवारीचालक अनुमतिपत्र जारी गर्ने, गलत लिखत वा प्रतिवेदन बनाउने, परीक्षाको परिणाम फेरबदल गर्ने, गैरकानुनीरूपमा सम्पत्ति आर्जन गर्ने, राजस्व चुहावट/हिनामिना गर्नेजस्ता भ्रष्टाचारजन्य कार्यहरू भएको देखिएको छ।
4. आयोगले उपचारात्मक कार्यहरूका अतिरिक्त भ्रष्टाचार हुनै नदिन निरोधात्मक र भ्रष्टाचार विरूद्ध जागरण अभिवृद्धि गर्ने प्रवर्द्धनात्मक कार्यहरू सञ्चालन गर्ने गरेको छ। निरोधात्मक कार्यतर्फ, सरकारी कार्यालयहरूको कार्य सरलीकरण, सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी अभिलेख व्यवस्थापन एवं सेवा प्रवाहमा सुधार गर्ने जस्ता सुझावहरू लेखी पठाइएको एवं आयोगमा सूचना प्रविधियुक्त कार्य वातावरण सिर्जना गर्ने र कार्यविधि परिष्कृत गर्ने कार्यहरू भएको छ।
5. त्यसैगरी, यस अबधिमा आयोगबाट सञ्चालन भएका प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रममध्ये विद्यालयहरूमा सञ्चालन गरिएका ६६ वटा सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रममा ६,०६२ जना विद्यार्थी तथा शिक्षकहरू र ११० वटा अन्तरक्रिया कार्यक्रममा निर्वाचित/मनोनीत पदाधिकारी, राष्ट्रसेवक कर्मचारी, सरोकारवालालगायत ९,९०२ जनाको सहभागिता रहेको थियो।
6. साथै, आयोग र नेपाल टेलिभिजनको सहकार्यमा “सुशासन सवाल”विषयक कार्यक्रमको 52 भाग साप्ताहिक रूपमा प्रसारण भई भ्रष्टाचार विरूद्ध नागरिकको भूमिका र कर्तव्यका साथै आयोगबाट भए गरेका कामकारबाहीका सम्बन्धमा सूचना, जानकारी तथा सन्देश प्रवाह गरिएको छ।
7. आयोगबाट तत्काल तथा क्रमश: गर्नुपर्ने सुधारका कार्यहरू सहितको चौंथो संस्थागत रणनीतिक योजना (2076/77-2080/81)को मध्यावधिक समीक्षाबाट प्राप्त सुझाव समेत समेटी योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने र विगतमा तय गरिएका प्राथमिकतालाई समयानुकुल परिमार्जन गरी अघि बढाउने गरी आगामी कार्यदिशा तय गरिएको छ।
8. त्यसैगरी, नेपाल सरकारका विषयगत निकायहरू, प्रदेश सरकार एवं स्थानीय तहसँग सम्बन्धित देहायका लगायत विभिन्‍न सुझावहरू समेत प्रदान गरिएको छः-
* **नेपालको संविधानअनुसार संघीयता कार्यान्वयनमार्फत शासकीय सुधार गर्नका लागि बाँकी कानुनहरू यथाशीघ्र तर्जुमा वा संशोधन गर्ने,**
* **तीनै तहका सरकारबाट हुने निर्णयमा नीतिगत निर्णयलाई परिभाषित गरी सो प्रक्रियाबाट हुने भ्रष्टाचारको छानविन र अनुसन्धान सम्वन्धमा स्पष्ट कानुन तर्जुमा गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने,**
* **सार्वजनिक खरिद कारवाहीमा हुने अनियमिततालाई नियन्त्रण गर्न सार्वजनिक खरिद ऐनले दिएको अधिकारलाई प्रभावकारी रूपले कार्यान्वयन गर्ने,**
* **संघीय सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय तहले सार्वजनिक जवाफदेहिताको पदमा नियुक्त हुने पदाधिकारीहरूका लागि सदाचार र नैतिकता प्रवर्द्धन गर्न आवश्यक नीति तर्जुमा गर्ने,**
* **उत्पादनमा आधारित अनुदान प्रणालीलाई प्रोत्साहन गर्दै शतप्रतिशत अनुदान दिने कार्यलाई निरुत्साहित गर्ने, लागत साझेदारी हुने गरी मात्र अनुदानको व्यवस्था मिलाउने,**
* **प्राकृतिक स्रोत र साधन, खानी र खनिजजन्य पदार्थको अन्वेषण, उत्खनन् तथा संरक्षण, आन्तरिक आयको ठेक्का र राजश्व बाँडफाँड सम्बन्धमा संघीयताको भावनाअनुरुप सबै तहका सरकारको भूमिका स्पष्ट हुने गरी नेपाल सरकारले कानुन तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने,**
* **सार्वजनिक निकायमा विचौलियाको प्रवेश नियन्त्रण गर्ने, अभिलेख संरक्षणमा कर्मचारीलाई जिम्मेवार बनाउने, प्रदेशबाट सञ्चालन हुने आयोजनाहरूको हकमा तीनै तहबीच समन्वय गरी दोहोरो नपर्ने गरी व्यवस्था गर्ने लगायतका विभिन्न सुझावहरू आयोगबाट सिफारिस भएका छन्।**

प्रवक्ता
भोला दाहाल